

श्री १०८ श्री गणेशाय नमः

श्री १०८ श्री गणेशाय नमः
ने हारभारो के चित्तनिन्दन
रचन किया।

१९४८ ई. १० वृ. १० मा. १० दि. १० रा. १० म.

हस्त नमोस्तु भवकृत हे वरकृत नमोस्तु शिवाय नमः